



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 23, 1986/आश्विन 1, 1908

No. 12]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 23, 1986/ASVINA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1986

प्रधिवचना

का.नि.मा. 12(अ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परम्परा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम
बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा
सेवा सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1986 है।

(2) ये 1 जनवरी, 1986 को प्रवृत्त हुए माने जाएंगे।

2. सरकारी सेवाओं के प्रवर्ग, जिनको नियम लागू होंगे—

(1) इन नियमों द्वारा या उनके अधीन जैसा प्रत्येक उपबंधित है,
उसके विचार, ये नियम पंग के कार्यकलापों के संबंध में सिविल सेवाओं
और रक्षा सेवाओं के पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को जिनका वेतन रक्षा
सेवा प्रावधान में विवक्षित है, लागू होंगे।

(2) ये नियम निम्नलिखित को लागू नहीं होंगे—

(क) ऐसे सरकारी सेवक जो समूह "क" सेवा में हैं या कोई समूह
"क" पद धारण किए हुए हैं;

(ख) भूतपूर्व भारतीय राज्यों के ऐसे स्थायी कर्मचारी जिन्हें सब
के कार्यकलापों के संबंध में सिविल सेवाओं और पबी पर घासे-
लिप किया गया है, किंतु जो केन्द्रीय सिविल सेवा (भाग ख
राज्य स्थानांतरित कर्मचारी) नियम, 1953 के अधीन सेवा की
घामेलन-पूर्व शर्तों से शासित होते हैं;

(ग) ऐसे व्यक्ति जिन्हें विदेश में राजनयिक, कौंसलीय या अन्य
भारतीय स्थापनों में सेवाओं के लिए स्थानीय रूप से भर्ती किया
गया है;

(घ) ऐसे व्यक्ति जो पूर्ण-आविक नियोजन में नहीं हैं;

(ङ) ऐसे व्यक्ति जिन्हें प्राकस्मिकताओं में से संदाय किया जाता है;

(च) ऐसे व्यक्ति जिन्हें मासिक आधार से प्रत्येक संदाय किया जाता
है जिनके अंतर्गत ऐसे व्यक्ति भी हैं जिनको केवल मासानुपाती
आधार पर संदाय किया जाता है;

- (छ) ऐसे व्यक्ति जो, वहाँ के विषय जहाँ नवदेश में प्रवेश उन्-
बन्धित है, संविदा पर नियोजित हैं;
- (ज) ऐसे व्यक्ति जो सेवा निवृत्ति के पश्चात् सरकारी सेवा में
पुनर्नियोजित हैं;
- (झ) किसी अन्य वर्ग या वर्गों के व्यक्ति जिन्हें राष्ट्रपति, आदेश द्वारा,
इन नियमों में अन्तर्विष्ट सभी या किन्हीं उपबन्धों के प्रवर्तन
से विनिर्दिष्ट रूप से अपवर्जित करें।

3. परिभाषाएं

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(1) "मूल वेतन" से मूल नियम 9(2)(क)(i) में यथापरिभाषित
वेतन अभिप्रेत है;

(2) किसी सरकारी सेवक के संबंध में "विद्यमान वेतनमान" से चाहे
किसी अधिष्ठायी या स्थानापन्न हैसियत में 1 जनवरी, 1986 को सरकारी
सेवक द्वारा धारित पद को लागू वर्तमान वेतनमान (या, यथास्थिति, उसको
लागू व्यक्तिगत वेतनमान) अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण: ऐसे किसी सरकारी सेवक की दशा में जो 1 जनवरी, 1986
को भारत के बाहर प्रतिनियुक्ति या छुट्टी पर या अन्यत्र सेवा
में था या जो उस तारीख को, एक या अधिक निम्नतर पदों
पर स्थानापन्न रहता, यदि वह किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न
नहीं होता, "विद्यमान वेतनमान" के अन्तर्गत उस पद को लागू
वह वेतनमान भी है जिसे वह धारणा करता, यदि वह भारत
के बाहर प्रतिनियुक्ति पर या छुट्टी पर या अन्यत्र सेवा में नहीं
लेता था, यथास्थिति, किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न नहीं
होता।

(3) पहली अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट किसी पद के संबंध में
"वर्तमान वेतनमान" से उसके स्तंभ 3 में उस पद के सामने
विनिर्दिष्ट वेतनमान अभिप्रेत है;

(4) "पुनरीक्षित उपलब्धियों" से पुनरीक्षित वेतनमान में किसी
सरकारी सेवक का मूल वेतन अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पुनरीक्षित
वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त, उसे अनुज्ञेय पुनरीक्षित प्रैक्टिस बंदी भत्ता,
यदि कोई है, भी है;

(5) पहली अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट किसी पद के संबंध
में "पुनरीक्षित वेतनमान" से उसके स्तंभ 4 में उस पद के सामने विनि-
र्दिष्ट वेतनमान अभिप्रेत है, जब तक कि उस पद के लिए कोई भिन्न पुन-
रीक्षित वेतनमान पृथक् रूप से अधिसूचित नहीं किया जाता है; और

(6) "अनुसूची" से इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

4. पदों का वेतनमान—इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से, पहली
अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक पद का वेतनमान वह होगा जो
उसके स्तंभ 4 में उसके सामने विनिर्दिष्ट है।

5. पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करना—इन नियमों में जैसा
अन्यथा उपबन्धित है उसके सिवाय, सरकारी सेवक उस पद को, जिस पर वह
नियुक्त किया गया है, लागू पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करेगा:

परन्तु कोई सरकारी सेवक उस तारीख तक विद्यमान वेतनमान में वेतन प्राप्त
करते रहने का निश्चय कर सकेगा जब तक कि वह विद्यमान वेतनमान में
अपनी अगली या कोई पश्चात्तर्ती वेतन वृद्धि अर्जित नहीं कर लेता है या
जब तक कि वह अपना पद रिक्त नहीं कर देता है या उस वेतनमान में
वेतन प्राप्त करना बंद नहीं कर देता है।

स्पष्टीकरण: 1. इस नियम के परन्तुक के अधीन विद्यमान वेतनमान
प्रतिधारित करने का विकल्प केवल एक विद्यमान वेतनमान की बाबत
अनुज्ञेय होगा।

स्पष्टीकरण-2 पूर्वोक्त विकल्प ऐसे किसी व्यक्ति को अनुज्ञेय नहीं होगा
जो 1 जनवरी, 1986 को अथवा उसके पश्चात् किसी पद पर चाहे
सरकारी सेवा में पहली बार, या किसी अन्य पद से स्थानांतरण या प्रोन्नति
द्वारा, नियुक्त किया गया है और उसे केवल पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन
अनुज्ञात किया जाएगा।

स्पष्टीकरण-3: जहाँ कोई सरकारी सेवक नियमित आधार पर स्थानापन्न
हैसियत में उसके द्वारा धारित किसी पद की बाबत विद्यमान वेतनमान
प्रतिधारित करने के लिए मूल नियम 22 या मूल नियम 31 या उस पद
को लागू किसी अन्य नियम या आदेश के अधीन उस वेतनमान में वेतन के
विनियमन के प्रयोजन के लिए इस नियम के परन्तुक के अधीन विकल्प का
प्रयोग करता है, तो उसका अधिष्ठायी वेतन वह अधिष्ठायी
जिसे वह तब प्राप्त करता जब वह उस स्थायी पद की बाबत विद्यमान
वेतनमान प्रतिधारित करता जिस पर उसका कोई धारणाधिकार है या
धारणाधिकार होता यदि धारणाधिकार समाप्त नहीं किया गया होता,
या स्थानापन्न पद का वेतन, जिसने तत्समय प्रवृत्त किसी आदेश के अनुसार
अधिष्ठायी वेतन का रूप ले लिया है, इन दोनों में से जो भी अधिक हो,
होगा।

6. विकल्प का प्रयोग:—(1) नियम 5 के परन्तुक के अधीन विकल्प का
प्रयोग दूसरी अनुसूची से उपावद्ध प्ररूप में लिखित रूप में किया जाएगा
जिससे कि वह सरकारी राजपत्र में इन नियमों के प्रकाशन की तारीख के
तीन मास के भीतर, या जहाँ विद्यमान वेतनमान उस तारीख के पश्चात् किए गए
किसी आदेश द्वारा पुनरीक्षित किया गया है, वहाँ ऐसे आदेश की तारीख के
तीन मास के भीतर, उपनियम (2) में वर्णित प्राधिकारी को पढ़ा जाय;

परन्तु यह कि:—

(i) ऐसे किसी सरकारी सेवक की दशा में जो यथास्थिति ऐसे प्रकाशन
की तारीख को या ऐसे आदेश की तारीख को, भारत के बाहर
छुट्टी पर या प्रतिनियुक्ति या अन्यत्र सेवा या सक्रिय सेवा में है,
तो उक्त विकल्प का प्रयोग लिखित रूप में किया जाएगा जिससे
कि वह भारत में उसके पद का भारग्रहण करने की तारीख के
तीन मास के भीतर उक्त प्राधिकारी को पढ़ा जाय; और

(ii) जहाँ कोई सरकारी सेवक 1 जनवरी, 1986 को निरन्वनाधीन
है वहाँ विकल्प का प्रयोग उसके इयूटी पर वापस आने की तारीख
के तीन मास के भीतर किया जा सकेगा, यदि वह
तारीख इस उपनियम में विहित तारीख से बाद में है।

(2) विकल्प सरकारी सेवक द्वारा अपने कार्यालय के प्रधान को संसू-
चित किया जाएगा।

(3) यदि विकल्प की बाबत संसूचना उपनियम (1) में वर्णित
समय के भीतर प्राप्त नहीं की जाती है तो सरकारी सेवक के बारे में यह
माना जाएगा कि उसने 1 जनवरी, 1986 से ही पुनरीक्षित वेतनमान से
शासित होने के विकल्प का चयन कर लिया है।

(4) एक बार प्रयोग किया गया विकल्प अन्तिम होगा।

टिप्पण: 1—ऐसे व्यक्ति जिनकी सेवाओं को 1 जनवरी, 1986 को या
उसके पश्चात् समाप्त किया गया था और जो मृत्यु, मंजूर किए
गए पदों की समाप्ति पर सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, अनुशासनिक
आधारों पर पदच्युति या सेवानिवृत्ति के कारण विहित समय परीक्षीमा के
भीतर विकल्प का प्रयोग नहीं कर सके थे, इस नियम के फायदों के हकदार
हैं।

टिप्पण 2—ऐसे व्यक्तियों के बारे में जिनकी 1 जनवरी, 1986 को
या उसके पश्चात् मृत्यु हो गई थी और जो विहित समय परीक्षीमा के भीतर
विकल्प का प्रयोग नहीं कर सके थे, यह माना जाएगा कि उन्होंने 1
जनवरी, 1986 से ही, या ऐसी पश्चात्तर्ती तारीख से जो उनके आश्रितों
के लिए सर्वाधिक फायदाप्रद हो, पुनरीक्षित वेतनमान में विकल्प का चयन

कर लिया है, यदि पुनरीक्षित वेतनमान अधिक अनुकूल हों और ऐसे मामलों में, बकाया के संवाय के लिए आवश्यक कार्रवाई कार्यालय के प्रधान द्वारा की जानी चाहिए।

7. पुनरीक्षित वेतनमान में प्रारम्भिक वेतन का नियत किया जाना—

(1) ऐसे किसी सरकारी सेवक का जो 1 जनवरी, 1986 से ही पुनरीक्षित वेतनमान द्वारा शासित होने का चयन करता है या जिसके बारे में यह माना जाता है कि उसने नियम 8 के उपनियम (3) के अधीन उसका चयन किया है, प्रारम्भिक वेतन, जब तक कि राष्ट्रपति किसी मामले में विशेष आदेश द्वारा अन्यथा निर्देशित न करे, उस स्थायी पद पर जिस पर उसका धारणाधिकार है या धारणाधिकार होता यदि वह निर्दिष्ट नहीं किया जाता, उसके पड़ोसी वेतन की बाबत और उसके द्वारा धारित स्थानापन्न पद में उसके वेतन की बाबत निम्नलिखित रीति में पुनरीक्षण से नियत किया जाएगा; अर्थात्—

(i) (अ) सभी कर्मचारियों की दशा में, 75 रुपये के न्यूनतम के अधीन रहते हुए विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन के 20 प्रतिशत को जोड़ कर उसकी रकम कर्मचारी की "विद्यमान उपलब्धियों" में जोड़ी जाएगी।

(ii) विद्यमान उपलब्धियों की इस प्रकार वृद्धि किए जाने के पश्चात् वेतन इस प्रकार संगणित रकम के ठीक समाने प्रक्रम पर पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया जाएगा।

परन्तु यह कि—

(क) यदि पुनरीक्षित वेतनमान का न्यूनतम इस प्रकार अवधारित रकम से अधिक है, तो वेतन पुनरीक्षित वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया जाएगा;

(ख) यदि इस प्रकार अवधारित रकम पुनरीक्षित वेतनमान के अधिकतम से अधिक है तो वेतन उस वेतनमान के अधिकतम पर नियत किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—इस खण्ड के प्रयोजन के लिए "विद्यमान उपलब्धियाँ" के अन्तर्गत निम्नलिखित होगा :—

(क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन ;

(ख) प्रोसत सूचकांक 608 (1960=100) पर अनुज्ञेय मूल वेतन के लिए समुचित मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता ; और

(ग) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन पर अनुज्ञेय अन्तरिम राहत की पहली और दूसरी किस्त की रकम।

(घ) ऐसे कर्मचारियों की दशा में जिन्हें विद्यमान वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त विशेष वेतन मिल रहा है और जहाँ विशेष वेतन शेष वाले विद्यमान वेतनमान के स्थापन पर ऐसा वेतन रखा गया है जिसमें कोई विशेष वेतन नहीं है, वहाँ वेतन उपरोक्त खण्ड (घ) के उपबंधों के अनुसार पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया जाएगा, सिवाय इसके कि ऐसे मामलों में "विद्यमान उपलब्धियाँ" के अन्तर्गत निम्नलिखित होगा :—

(क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन ;

(ख) विशेष वेतन की विद्यमान रकम ;

(घ) सुसंगत आदेशों के अधीन प्रोसत सूचकांक 608 (1960=100) पर अनुज्ञेय मूल वेतन और विशेष वेतन के लिए समुचित मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता ; और

(ग) सुसंगत आदेशों के अधीन विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन और विशेष वेतन पर अनुज्ञेय अन्तरिम राहत की पहली और दूसरी किस्तों की रकम

(ङ) ऐसे कर्मचारियों की दशा में जिन्हें विद्यमान वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त विशेष वेतन मिल रहा है और जिनके मामले में विशेष वेतन या तो उसी दर पर या किसी भिन्न दर पर पुनरीक्षित वेतनमान सहित बना हुआ है, वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उपरोक्त खण्ड (घ) के उपबंधों के अनुसार उसके स्पष्टीकरण के अनुसंगणित विद्यमान उपलब्धियों के प्रतिनिधित्व से मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता के प्रति निर्देश से उस पर अनुज्ञेय विद्यमान विशेष वेतन और रकम का अपवर्जन करने के पश्चात् नियत किया जाएगा और ऐसे मामलों में नई दर पर विशेष वेतन पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त प्राप्त किया जाएगा ;

(ई) ऐसे त्रिकित्ता अधिकारियों की दशा में जिन्हें प्रैक्टिस बन्दी भत्ता मिल रहा है, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उपरोक्त खण्ड (घ) के उपबंधों के अनुसार नियत किया जाएगा सिवाय इसके कि ऐसे मामलों में "विद्यमान उपलब्धियाँ" के अन्तर्गत केवल निम्नलिखित होगा :—

(क) विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन ;

(ख) सुसंगत आदेशों के अधीन प्रोसत सूचकांक 608 (1960=100) पर अनुज्ञेय मूल वेतन और प्रैक्टिस बन्दी भत्ता के लिए समुचित मंहगाई वेतन, प्रतिरिक्त मंहगाई भत्ता और तदर्थ मंहगाई भत्ता ; और

(ग) सुसंगत आदेशों के अधीन विद्यमान वेतनमान में मूल वेतन और प्रैक्टिस बन्दी भत्ता पर अनुज्ञेय अन्तरिम राहत की पहली और दूसरी किस्तों की रकम ;

और ऐसे मामलों में नई दरों पर प्रैक्टिस बन्दी भत्ता पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन के प्रतिरिक्त प्राप्त किया जाएगा ;

टिप्पण 1—जहाँ कोई सरकारी सेवक कोई स्थायी पद धारण किए हुए है और नियमित आधार पर किसी उच्चतर पद पर स्थानापन्न कार्य कर रहा है और इन दोनों पदों को लागू वेतनमानों का एक वेतनमान में विलय कर दिया गया है, वहाँ वेतन केवल स्थानापन्न पद के प्रतिनिधित्व से इस उपनियम के अधीन नियत किया जाएगा और इस प्रकार नियत वेतन अधिष्ठाया वेतन माना जाएगा।

इस टिप्पण के उपबंध यथा आवश्यक परिवर्तनों सहित, ऐसे सरकारी सेवकों को लागू होंगे जो विभिन्न विद्यमान वेतनमानों पर स्थानापन्न हैं जिसमें पदों को धारण किए हुए हैं, जिनके स्थान पर एक पुनरीक्षित वेतनमान रख दिया गया है।

टिप्पण 2—जहाँ यथास्थिति, खण्ड (घ), खण्ड (घा), खण्ड (ङ) या खण्ड (ई) के अनुसार संगणित विद्यमान उपलब्धियाँ किसी सरकारी सेवक की दशा में पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक हों, वहाँ अन्तर वैयक्तिक वेतन के रूप में धनदात होगा जिससे वेतनमान में भावी वृद्धियों में अमेक्तिन किया जाएगा ;

टिप्पण 3—जहाँ उपनियम (1) के अधीन वेतन नियत करने में, ऐसे सरकारी सेवकों का, जो विद्यमान वेतनमान में पांच लगातार प्रक्रमों से अधिक पर वेतन प्राप्त कर रहे हैं, वेतन एकत्रित कर दिया जाता है, अर्थात्, पुनरीक्षित वेतनमान में उसी प्रक्रम पर नियत कर दिया जाता है, वहाँ ऐसे सरकारी सेवकों, जो विद्यमान वेतनमान में प्रथम पांच लगातार प्रक्रमों के पर वेतन प्राप्त कर रहे हैं, के पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन की उस प्रक्रम तक, जहाँ ऐसा एकत्रीकरण होता है, निम्नलिखित रीति से पुनरीक्षित वेतनमान में वेतनवृद्धि/वेतनवृद्धियाँ करके नीचे के प्रान्तर बना दिया जाएगा अर्थात्—

(क) विद्यमान वेतनमान में छठवाँ प्रक्रम से दसवाँ प्रक्रम तक वेतन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए—एक वेतन वृद्धि कर

(क) विद्यमान बेतनमान में स्थायी प्रक्रम से पन्द्रहवाँ प्रक्रम तक बेतन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए, यदि दसवाँ प्रक्रम से परे एकत्रीकरण हो—वो बेतन वृद्धि करके ;

(ग) विद्यमान बेतन में सोलहवाँ प्रक्रम से बीसवाँ प्रक्रम तक बेतन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों के लिए, यदि पन्द्रहवाँ प्रक्रम से परे एकत्रीकरण हो—तीन बेतनवृद्धि करके।

यदि यथाउपयुक्त बेतन बढ़ाकर किसी सरकारी सेवक का बेतन उस पुनरीक्षित बेतनमान में किसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है जो उस पुनरीक्षित बेतनमान में प्रक्रम से उच्चतर है जिस पर किसी ऐसे सरकारी सेवक का, जो उसी विद्यमान बेतनमान में अगले उच्चतर प्रक्रम या प्रक्रमों पर बेतन प्राप्त कर रहा था, बेतन नियत किया जाता है, तो परवातवर्ती का बेतन भी केवल उस विस्तार तक बढ़ाया जाएगा जिस तक वह पूर्ववर्ती के बेतन से कम पड़ता है।

टिप्पण 4: जहाँ उपनियम (1) के अधीन बेतन नियत करने में किसी ऐसे सरकारी सेवक का, जो विद्यमान बेतनमान में 1 जनवरी, 1986 के ठीक पहले उसी काब्र में अपने से कनिष्ठ किसी अन्य सरकारी सेवक से अधिक बेतन प्राप्त कर रहा था, बेतन पुनरीक्षित बेतनमान में ऐसे कनिष्ठ के बेतन से निम्नतर किसी प्रक्रम पर नियत कर दिया जाता है वहाँ उसका बेतन पुनरीक्षित बेतनमान में उसी प्रक्रम पर बढ़ाया जाएगा जो कनिष्ठ का है।

टिप्पण 5: जहाँ 1 जनवरी, 1986 को कोई सरकारी सेवक वैयक्तिक बेतन प्राप्त कर रहा है, जो, यथास्थिति, खंड (अ), खंड (आ), खंड (इ) या खंड (ई) के अनुसार यथासंगणित उसकी विद्यमान उपलब्धियों के साथ मिलकर पुनरीक्षित उपलब्धियों से अधिक हो जाता है वहाँ ऐसे अधिक्य का अन्तर ऐसे सरकारी सेवक को वैयक्तिक बेतन के रूप में बेतन में कल्पित में होने वाली वृद्धियों में प्रत्येकित किए जाने के लिए अनुपात किया जायगा।

टिप्पण 6: ऐसे कर्मचारियों की दशा में, जो "हिन्दी शिक्षण स्कीम" के अधीन हिन्दी प्राज्ञ, हिन्दी टंकण, हिन्दी ग्राणुलिपि और ऐसी अन्य परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने के लिए या 1 जनवरी, 1986 के पूर्व रोकड़ और लेखा संबंधी विषयों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, वैयक्तिक बेतन प्राप्त कर रहे हैं, यद्यपि वैयक्तिक बेतन को पुनरीक्षित बेतनमानों में आरम्भिक बेतन नियत करने के प्रयोजनों के लिए हिसाब में नहीं लिया जायगा, वे 1 जनवरी, 1986 को और से या बाद में उस अधिक्य के लिए जिसके लिए वे पुनरीक्षित बेतनमान में अपना बेतन नियत न होने पर उसे प्राप्त करते, पुनरीक्षित बेतनमान में अपने बेतन के नियत हो जाने के पश्चात वैयक्तिक बेतन प्राप्त करते रहेंगे। ऐसे वैयक्तिक बेतन की मात्रा उस अधिक्य के लिए जिसके लिए कर्मचारी उसे प्राप्त करता रहता, बेतन नियत करने की तारीख से पुनरीक्षित बेतनमान में बेतनवृद्धि की समुचित दर से संवत् की जाएगी।

स्पष्टीकरण—इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए पुनरीक्षित बेतनमान में बेतनवृद्धि की समुचित दर से उस प्रक्रम की, उसके ठीक पर प्रक्रम पर जिस पर कर्मचारी का बेतन पुनरीक्षित बेतनमान में नियत किया जाता है, अनुसंधान बेतन वृद्धि की रकम अभिप्रेत है।

टिप्पण 7: ऐसे मामलों में, जहाँ 1 जनवरी 1986 के पहले किसी उच्चतर पद पर प्रोन्नत कोई ज्येष्ठ सरकारी सेवक पुनरीक्षित बेतनमान में अपने ऐसे कनिष्ठ से कम बेतन प्राप्त करता है जिसे 1 जनवरी, 1986 को या उसके पश्चात उच्चतर पद पर प्रोन्नत किया जाता है, ज्येष्ठ सरकारी सेवक का बेतन उस बेतन के बराबर रकम तक बढ़ाया जाता चाहिए जो उसके कनिष्ठ के लिए उस उच्चतर पद पर नियत किया गया है। यह रकम कनिष्ठ सरकारी सेवक की प्रोन्नति की तारीख

से निम्नलिखित तारीखों को पूरा करने के प्रयोजन रहते हुए बढ़ावी जाती चाहिए, यथावत् :—

(क) कनिष्ठ और ज्येष्ठ सरकारी सेवक दोनों उसी काब्र के होने चाहिए और वे पद भिन पर वे प्रोन्नत किए गए हैं उसी काब्र में समान होने चाहिए,

(ख) ऐसे निम्नतर और उच्चतर पदों के, जिन पर वे बेतन प्राप्त करने के हकदार हैं, पूर्व पुनरीक्षित और पुनरीक्षित बेतनमान समान होने चाहिए, और

(ग) विषयता सीधे मूल नियम 22 या पुनरीक्षित बेतनमान में ऐसी प्रोन्नति पर बेतन नियतन को विनियमित करने वाले किसी अन्य नियम या प्रादेश के उपबंधों को लागू करने के परिणामस्वरूप होनी चाहिए। यदि निम्नतर पद पर भी कनिष्ठ अधिकारी उसे मंजूर की गई किन्हीं अधिक बेतनवृद्धियों के फलस्वरूप पूर्व पुनरीक्षित बेतनमान में ज्येष्ठ से अधिक बेतन प्राप्त कर रहा था तो इस टिप्पण के उपबंधों को ज्येष्ठ अधिकारी का बेतन बढ़ाने के लिए लागू करने की आवश्यकता नहीं है।

उपयुक्त उपबंधों के अनुसार ज्येष्ठ अधिकारी का बेतन पुनः नियत करने से संबंधित आदेश मूल नियम 27 के अधीन जारी किए जाने चाहिए और ज्येष्ठ अधिकारी बेतन के पुनः नियत किए जाने की तारीख से अपनी प्रत्येक सेवा के पूरा करने पर अगले बेतनवृद्धि का हकदार होगा।

(2) नियम 5 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उपनियम (1) के अधीन स्थापना पद पर यथानियत बेतन अधिक्याधी पद पर नियत बेतन से कम है तो पूर्ववर्ती अधिक्याधी बेतन के ठीक ऊपर के प्रक्रम पर नियत किया जायगा।

8. पुनरीक्षित बेतनमान में अगले बेतनवृद्धि की तारीख—

किसी ऐसे सरकारी सेवक की, जिसका बेतन नियम 7 के उपनियम (1) के अनुसार पुनरीक्षित बेतनमान में नियत किया गया है, अगला बेतनवृद्धि उस तारीख को दी जाएगी जिसकी वह अपनी बेतनवृद्धि सेवा यदि वह विद्यमान बेतनमान में बना रहता :

परन्तु यह कि ऐसे मामलों में, जहाँ किसी सरकारी सेवक का बेतन नियम 7 के उपनियम (1) के टिप्पण 3 या टिप्पण 4 या टिप्पण 7 के निर्बंधनों के अनुसार बढ़ाया जाता है, अगला बेतनवृद्धि, पुनरीक्षित बेतनमान में बेतन के बढ़ाए जाने की तारीख से बारह मास की अधिक सेवा के पूरा करने पर दी जाएगी :

परन्तु यह और कि ऐसे मामलों में, जो पूर्ववर्ती परन्तु के अन्तर्गत आने वाले मामलों से भिन्न हैं, किसी ऐसे सरकारी सेवक की, जिसका बेतन 1 जनवरी, 1986 को उसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है जो नहीं है, जिस पर उसी काब्र के सबसे कनिष्ठ अन्य सरकारी सेवक के लिए नियत किया जाता है और यह विद्यमान बेतनमान में उसके निम्नतर प्रक्रम पर बेतन प्राप्त कर रहा है, अगला बेतनवृद्धि उसी तारीख को दी जाएगी बस कि उसके कनिष्ठ को अनुसंधान है, यदि कनिष्ठ की बेतनवृद्धि की तारीख पूर्वतर होती है :

परन्तु यह भी कि ऐसे व्यक्तियों की दशा में, जो 1 जनवरी, 1986 को एक वर्ष से अधिक तक विद्यमान बेतनमान का अधिकतम प्राप्त कर रहे थे, पुनरीक्षित बेतनमान में अगला बेतनवृद्धि 1 जनवरी, 1986 को अनुपात होगी;

परन्तु यह भी कि ऐसे सरकारी सेवकों की वक्ता में, जो 1 जनवरी, 1986 को विद्यमान वेतनमान के अधिकतम पर दो वर्षों से अधिक तक रुके होने पर तदर्थ वेतनवृद्धि प्राप्त कर रहे थे, उन्हें 1 जनवरी, 1986 को पुनरीक्षित वेतनमान में एक और वेतनवृद्धि, पूर्ववर्ती परन्तु के अधीन पहले ही अनुज्ञात वेतनवृद्धि के प्रतिरिक्त, अनुज्ञात होगी।

टिप्पण 1 : जहाँ-जहाँ वेतन उपयुक्त परन्तुकों के निबन्धनों के अनुसार नियत किया गया है, वक्ता रोध, इस बात को विचार में लाए बिना कि किसी सरकारी सेवक ने विद्यमान वेतनमान में वक्ता रोध पार किया था या नहीं या उस पर रुका हुआ था, पुनरीक्षित वेतनमान में ऐसे रोधों के प्रति निर्देश से ही प्रवृत्त होगा।

टिप्पण 2 : चौथे परन्तु के अधीन प्रतिरिक्त वेतनवृद्धि का फायदा भी किसी सरकारी सेवक को उस वेतनमान में, जिसमें यदि वह अपना उच्चतर स्थानापन्न पद धारण नहीं किया रहता तो वह 1 जनवरी, 1986 को विद्यमान वेतनमान के अधिकतम पर दो वर्षों से अधिक तक रुके होने पर तदर्थ वेतनवृद्धि पाता, इस बात को विचार के लिए बिना कि वह वस्तुतः तदर्थ वेतनवृद्धि प्राप्त कर रहा था या नहीं, पुनरीक्षित वेतनमान के अधिकतम से अधिक न होने के अधीन रहते हुए, सैद्धांतिक रूप से अनुज्ञेय होगा।

टिप्पण 3 : जहाँ तीसरे और चौथे परन्तुओं के निबन्धनों के अनुसार दो प्रतिरिक्त वेतनवृद्धियों के दिए जाने से अधिष्ठायी पदों को लागू पुनरीक्षित वेतनमान में किसी सरकारी सेवक का अधिष्ठायी वेतन किसी भी समय उसके स्थानापन्न वेतन से अधिक हो जाता है, वहाँ सरकारी सेवक को, स्थानापन्न वेतन के प्रतिरिक्त, उन अवधियों के लिए जिनके दौरान अधिष्ठायी वेतन स्थानापन्न वेतन से अधिक हो जाता है, स्थानापन्न वेतन और अधिष्ठायी वेतन के बीच का अंतर वैयक्तिक वेतन के रूप में भविष्य में होने वाली वेतनवृद्धियों में शामिल किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

टिप्पण 4 : ऐसे मामलों में, जहाँ दो विद्यमान वेतनमान, जो एक अन्य के लिए प्रोक्त संबंधी वेतनमान है, मिला दिए जाते हैं, और जब निम्नतर वेतनमान में अपना वेतन प्राप्त करने वाला कनिष्ठ सरकारी सेवक उस वेतनमान में रुके होने के लिए वैयक्तिक वेतन प्राप्त कर रहा है, और ऐसा होता है कि वह उपर्युक्त टिप्पण 2 और 3 के अधीन प्रतिरिक्त वेतनवृद्धि के दिए जाने के कारण पुनरीक्षित वेतनमान में विद्यमान उच्चतर वेतनमान में ज्येष्ठ के वेतन से अधिक वेतन प्राप्त करता है, वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में ज्येष्ठ सरकारी सेवक के वेतन को उसी तारीख से उसके कनिष्ठ के वेतन तक बढ़ाया जाएगा और वह ऐसे बढ़ाए जाने की तारीख से जहाँ तक की अवधि पूरी करने के पश्चात् उगला वेतनवृद्धि प्राप्त करेगा।

9. 1 जनवरी, 1986 के पश्चात्पूर्वी पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन नियत करना :—जहाँ कोई सरकारी सेवक विद्यमान वेतनमान में अपना वेतन प्राप्त करता रहता है और उसे 1 जनवरी, 1986 के बाद वाले किसी तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान के समस्तवत काया जाता है वहाँ पुनरीक्षित वेतनमान में पश्चात्पूर्वी तारीख से उसका वेतन मूल नियमों या उस पद के लिए लागू किसी अन्य नियम या आदेश के अधीन नियत किया जाता है और इस प्रयोजन के लिए विद्यमान वेतनमान में उसके वेतन का वही अर्थ होगा जो विधम 7 के उपनियम (1) के, यथास्थिति खंड (अ), खंड (आ), खंड (इ) या खंड (ई) के अनुसार वक्तासंनमित विद्यमान उपसंस्थियों का है, सिवाय इसके कि उन उपसंस्थियों की संगणना के लिए हिसाब में लिया जाने वाला मूल वेतन पूर्वोक्त पश्चात्पूर्वी तारीख को मूल वेतन होता और जहाँ सरकारी सेवक विशेष या प्रीतिस्वर्गी वक्ता प्राप्त कर रहा है वहाँ उसका वेतन, इस प्रकार संगणित उपसंस्थियों की समुचित पुनरीक्षित वरों से, यथास्थिति, विशेष वेतन या प्रीतिस्वर्गी

वक्ता के बराबर रकम की उन उपसंस्थियों से कटौती करने के पश्चात् नियत किया जाएगा।

10. 1 जनवरी, 1986 के पश्चात् उस तारीख के पूर्व धारित किसी पद पर पुनर्नियुक्ति की जाने पर वेतन नियत करना :—किसी ऐसे सरकारी सेवक को, जिसने 1 जनवरी, 1986 के पूर्व किसी पद पर स्थापान्न रूप में कार्य किया था किन्तु वह उस तारीख को वह पद धारण नहीं कर रहा था और जो उस पद पर पश्चात्पूर्वी नियुक्ति पर पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन प्राप्त करता है, यथास्थिति, मूल नियम 22 के परन्तु का मूल नियम 22 ग के अनुसार परन्तु का फायदा उस विस्तार तक अनुज्ञात किया जाएगा जो उस दशा में अनुज्ञेय होता यदि वह 1 जनवरी, 1986 को वह पद धारण कर रहा होता और उस तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान का निर्वाचन किया होता।

11. वेतन के बकायों के संवाय की रीति—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, वेतन के बकाए, जिनके लिए कोई सरकारी सेवक इन नियमों के अधीन सुसंगत अवधि की बाबत हकदार हो, सरकारी सेवक को, या तो मकब या उन्हें सरकारी सेवक के भविष्य निधि खाते में जमा करके या उन्हें सरकारी सेवक के नाम में खोले गए किसी विधेय वक्ता खाते में जमा करके या भागतः नकद और भागतः पूर्वोक्त सभी रीतियों या उनमें से किसी अन्य रीति के द्वारा, जैसा राष्ट्रपति, इस निमित्त, आदेश द्वारा अवधारित करें, संवत किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनों के लिए—

(क) किसी सरकारी सेवक के संबंध में "वेतन के बकाए" से—

- (i) ऐसे वेतन और भत्तों के, जिनके लिए वह सुसंगत अवधि के लिए इन नियमों के अधीन अपने वेतन और भत्तों का पुनरीक्षण होने के कारण हकदार है, योग; और
- (ii) ऐसे वेतन और भत्तों के, (चाहे उसने ऐसा वेतन और भत्ते प्राप्त किए थे या नहीं) जिनके लिए वह उस अवधि के लिए हकदार होता यदि उसके वेतन और भत्तों का इस प्रकार पुनरीक्षण नहीं किया गया होता, योग,

के बीच का अंतर प्रतिरिक्त है;

(ख) "सुसंगत अवधि" से 1 जनवरी, 1986 को प्रारंभ होने वाली और 30 सितम्बर, 1986 को समाप्त होने वाली अवधि परिचित है।

12. नियमों का अग्रपारोक्षी प्रभाव—इन नियमों में श्रवणा उपबंधित के सिवाय मूल नियमों, या उन पद के लिए लागू किसी अन्य नियम या आदेश, रक्षा सेवा सिविलियन (वेतन पुनरीक्षण) नियम 1947, रक्षा सेवा सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1960 और रक्षा सेवा सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1973 के उपबंध, ऐसे मामलों को जहाँ, वेतन को इन नियमों के अधीन विनियमित किया जाता है, उस विस्तार तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक वे इन नियमों से असंगत हैं।

13. विधि करने की शक्ति :—जहाँ राष्ट्रपति का यह समाधान हो जाता है कि इन नियमों के सभी उपबंधों या उनमें से किसी के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में असम्भव कठिनाई होगी वहाँ वह, आदेश द्वारा, उस विस्तार तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह व्यावसंगिक और साम्यापूर्ण रीति से मामले को निपटाने के लिए आवश्यक समझे, उस नियम की अपेक्षाओं से अभिवृत्ति दे सकेंगे या उन्हें विधि कर सकेंगे।

14. निर्वचन :—यदि इन नियमों के किसी उपबंध के निर्वचन से संबंधित कोई प्रश्न उठता है तो उसे विनिश्चय के लिए केन्द्रीय सरकार को विधि किया जाएगा।

पहली अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखिए)

समूह "ब", "ग", और "ख" में वर्तमान वेतनमान वाले पदों के लिए, सिवाए उन पदों की बाबत जिनके लिए विभिन्न पुनरीक्षित वेतनमान पृथक रूप से अधिसूचित किए गए हैं, पुनरीक्षित वेतनमान

क्रम सं.	पद	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	2	3(ब.)	4(ब.)

समूह 'ब'

1. स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद	(क) 160-2-170	750 रु. (नियत) जब तक कि संबंधित कर्मचारियों की भर्ती की विहित आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् नियमित वेतनमान में नहीं लाया जाता।
	(ख) 180 (नियत) (ग) 196-3-220-द.रो.-3-232 (घ) 200-3-212-4-232-द.रो.-4-240 (चयन ग्रेड)	750-12-870-द.रो.-14-940
2. —यथोक्त—	(क) 200-3-206-4-234-द.रो.-4-250 (ख) 200-3-212-4-232-द.रो.-4-240-5-250 (ग) 210-4-226-द.रो.-4-250 (घ) 200-3-212-4-232-द.रो.-4-240	775-12-955-द.रो.-14-1025
3. —यथोक्त—	(क) 210-4-250-द.रो.-5-270 (ख) 210-4-250-द.रो.-4-270 (ग) 210-4-226-द.रो.-4-250-द.रो.-5-290	800-15-1010-द.रो.-20-1150

समूह "ग" और "ख"

4. —यथोक्त—	225-5-260-6-290-द.रो.-6-308	825-15-900-द.रो.-20-1200
5. —यथोक्त—	(क) 225-5-260-6-326-द.रो.-8-350 (ख) 260-6-326-द.रो.-8-350	950-20-1150-द.रो.-25-1400
6. —यथोक्त—	(क) 260-6-290-द.रो.-6-326-8-366 द.रो.-8-390-10-400 (ख) 290-6-326-द.रो.-8-350	950-20-1150-द.रो.-25-1500
7. —यथोक्त—	(क) 260-8-300-द.रो.-8-340-10-380-द.रो.-10-430 (ख) 290-6-326-8-350-द.रो.-8-390-10-400	975-25-1150-द.रो.-30-1540
8. —यथोक्त—	260-8-300-द.रो.-8-340-10-360-12-420-द.रो.-12-480	975-25-1150-द.रो.-30-1660
9. —यथोक्त—	320-6-326-8-390-10-400	1150-25-1500
10. —यथोक्त—	(क) 330-8-370-10-400-द.रो.-10-450 (ख) 330-8-370-10-400-द.रो.-10-480	1200-30-1440-द.रो.-30-1800
11. —यथोक्त—	(क) 330-10-380-द.रो.-12-500-द.रो.-15-580 (ख) 330-10-350-द.रो.-380-15-500-द.रो.-15-560	

1	2	3	4
		(ब.)	(ब.)
स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद	(ग) 330-8-370-10-400-ब.रो.-10-500-15-530 (घ) 290-8-330-10-380-ब.रो.-12-500-द.रो.-15-560 (ङ) 290-10-350-ब.रो.-12-410-द.रो.-15-500		1200-30-1560-ब.रो.-40-2040
12. -यथोक्त-	(क) 380-12-500-15-530 (ख) 380-12-500-ब.रो.-15-560		1320-30-1560-ब.रो.-40-2040
13. -यथोक्त-	(क) 380-12-440-ब.रो.-15-560-ब.रो.-20-620 (ख) 380-12-440-ब.रो.-15-560-ब.रो.-20-640 (ग) 425-15-530-ब.रो.-15-560-20-600 (घ) 470-15-560-20-580		1350-30-1440-40-1800-ब.रो.-50-2200
14. -यथोक्त-	(क) 425-15-560-ब.रो.-20-640 (ख) 425-15-500-द.रो.-560-20-700 (ग) 455-15-560-ब.रो.-20-700		1400-40-1800-ब.रो.-50-2300
15. -यथोक्त-	(क) 425-15-500-ब.रो.-15-560-20-700-ब.रो.-25-800 (ख) 425-15-500-ब.रो.-15-560-20-640-द.रो.-20-700-25-750 (ग) 440-15-515-द.रो.-15-560-20-700-ब.रो.-25-750 (घ) 440-20-500-ब.रो.-25-700-ब.रो.-25-750 (ङ) 440-20-500-द.रो.-25-700-ब.रो.-25-750		1400-40-1600-50-2300-ब.रो.-60-2600
16. -यथोक्त-	(क) 550-20-650-25-800 (ख) 550-20-650-25-750 (ग) 550-20-650-25-700 (घ) 550-25-750		1600-50-2300-ब.रो.-60-2660
17. -यथोक्त-	(क) 500-20-700-ब.रो.-25-900 (ख) 500-25-750-30-900 (ग) 550-20-650-25-750-ब.रो.-30-900 (घ) 550-25-900 (ङ) 550-25-750-ब.रो.-30-900		1640-60-2600-ब.रो.-75-2900
18. -यथोक्त-	(क) 650-30-740-35-880-ब.रो.-40-960 (ख) 700-30-760-35-900 (ग) 650-30-740-35-880-ब.रो.-40-1040 (घ) 775-35-880-40-1000		2000-60-2300-ब.रो.-75-3200
19. -यथोक्त-	650-30-710		2000-60-2120
20. -यथोक्त-	(क) 650-30-740-35-810-ब.रो.-35-880-40-1000-ब.रो.-40-1200 (ख) 650-45-1010-ब.रो.-45-1100-50-1200 (ग) 775-35-880-40-1000-द.रो.-40-1200		2000-60-2300-ब.रो.-75-3200-100-3500
21. -यथोक्त-	(क) 840-40-1000-ब.रो.-40-1200 (ख) 840-40-1040		2375-75-3200-ब.रो.-100-3500

टिप्पण:—जैसा प्रत्यक्ष उपर्युक्त है उसके सिवाय, इन नियमों के प्रकाशन की तारीख से पूर्व समय घेड़ में वेतन ले रहे कर्मचारी को वषा में, उसका वेतन ऐसे समय घेड़ के तत्स्थानी पुनरीक्षित वेतनमान में नियत किया जाएगा और उक्त वेतन ऐसे कर्मचारी के लिए निर्या होगा।

भाग ब — पञ्चमी जनसूची

कतिपय अन्य प्रयोगों के कर्मचारियों के लिए पुनरीक्षित वेतनमान

क्रम सं.	रक	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
(1)	(2)	(3)	(4)
		र.	र.

I. कर्मचाला कर्मचारियों

1. स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट	196-3-220-र. रो.-3-232	750-12-870-र. रो.-14-940
वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद		
2. —यथोक्त—	(i) 210-4-250-र. रो.-5-270 (ii) 210-4-226-र. रो.-4-250-र. रो.-5-290	800-15-1010-र. रो.-20-1150
3. —यथोक्त—	(i) 260-6-326-र. रो.-8-350 (ii) 260-6-290-र. रो.-6-326-8-366-र. रो.-8-390-10-400 (iii) 320-6-326-8-390-10-400	
4. —यथोक्त—	330-8-370-10-400-र. रो.-10-480	1200-30-1440-र. रो.-30-1800
5. —यथोक्त—	380-12-500-र. रो.-15-560	1320-30-1560-र. रो.-40-2040
6. —यथोक्त—	425-15-560-र. रो.-20-640	1400-40-1800-र. रो.-50-2300

7. तकनीकी पर्यवेक्षक स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट वर्तमान वेतनमान वाले सभी पद	(i)	380-12-500-र. रो.-15-560	1400-40-1800-र. रो.-50-2300
	(ii)	380-12-440-र. रो.-15-560- र. रो.-20-640	
	(iii)	425-15-530-र. रो.-15-560-20-600	
	(iv)	425-15-580-र. रो.-20-640	
	(v)	425-15-500-र. रो.-15-560-20-700	
	(vi)	455-15-580-र. रो.-20-700	
	(vii)	550-20-650-25-750	1600-50-2300-र. रो.-60-2660
	(viii)	550-20-650-25-800	
	(ix)	700-30-760-35-900	2000-60-2300-र. रो.-75-3200
	(x)	650-30-740-35-880-र. रो.-40- 960	
	(xi)	840-40-1040	2375-75-3200-र. रो.-100-3500
	(xii)	840-40-1000-र. रो.-40- 1200	

II. सचिवालय से बाहर के व्यक्तियों

में कार्यरत कार्यालय कर्मचारियों

आकृतिपिक ग्रेड III

र.	र.
330-10-380-र. रो.-12-500-र. रो.-15-560	1200-30-1560-र. रो.-40-2040

आकृतिपिक ग्रेड II

425-15-500-र. रो.-15-560-20-700	1400-40-1800-र. रो.-50-2300
---------------------------------	-----------------------------

आकृतिपिक ग्रेड I

550-25-750-र. रो.-30-900	1640-60-2600-र. रो.-75-2900
--------------------------	-----------------------------

निम्नतर ग्रेडों से आकृतिपिकों के पदों की अपेक्षित संख्या का उपयुक्त रूप से उच्च श्रेणीकरण करके, उचित प्रशासनिक ग्रेड और समतुल्य पदों के अधिकारियों से सम्बद्ध आकृतिपिकों के पदों के लिए 2000-60-2300-र. रो.-75-3200 र.। तब उच्चतर वेतनमान में वे पद सामान्य प्रक्रिया के अनुसार प्रोन्नति द्वारा भरे जाते हैं।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	रूप	रूप		
III. प्राध्यापन कर्मचारियों				
1. प्राथमिक विद्यालय प्राध्यापक	330-10-350-र. र. -380-15-500-र. र. -15-560	1200-30-1560-र. र. -40-2040	उन प्राध्यापकों को, जो स्तंभ 3 में उल्लिखित विद्यमान वेतनमान में हैं, इस स्तंभ में उल्लिखित पुनरीक्षित वेतनमान यह सुनिश्चित करने के लिए दिया जा सकता है कि उनके पास विहित अर्हताएं हैं। जिनके पास विहित अर्हताएं नहीं हैं उन्हें इस अनुसूची के भाग "क" में उल्लिखित पुनरीक्षित वेतनमान दिया जाएगा जो उनके विद्यमान वेतनमान के तत्समान हैं। इस स्तंभ में उपर्युक्त चयन ग्रेड वेतनमान उन्हीं प्राध्यापकों को अनुज्ञेय होगा जो स्तंभ 3 में उल्लिखित विद्यमान चयन ग्रेड वेतनमान में पहले से ही हैं।	
2. प्रशिक्षित स्नातक प्राध्यापक/प्राथमिक विद्यालय का प्रधान प्राध्यापक	440-20-500-र. र. -25-700-र. र. -25-750	1400-40-1600-50-2300-र. र. -80-2600		
3. स्नातकोत्तर प्राध्यापक/प्रधान प्राध्यापक (माध्यमिक विद्यालय)	550-25-750-र. र. -30-900	1640-60-2600-र. र. -75-2900		
4. प्राथमिक विद्यालय प्राध्यापक (च. ग्रे.)	530-20-630	1400-40-1600-50-2300-र. र. -80-2600		
5. प्रशिक्षित स्नातक प्राध्यापक (ग. ग्रेड)/प्रधान प्राध्यापक प्राथमिक विद्यालय (च. ग्रे.)	740-35-880	1640-60-2600-र. र. -75-2900		
6. स्नातकोत्तर प्राध्यापक (च. ग्रे.) प्रधान प्राध्यापक, माध्यमिक विद्यालय (च. ग्रे.)	775-35-880-40-1000	2000-60-2300-र. र. -75-3200-100-3500		
7. उप प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक	850-30-740-35-810-र. र. -35-880-40-1000-र. र. -40-1200	2000-60-2300-र. र. -75-3200-100-3500		
IV. प्रयोगशाला तकनीकीविद्				
1. प्रयोगशाला सहायक	290-10-350-र. र. -12-410-र. र. -15-500	1200-30-1560-र. र. -40-2040		
V. मोटर यान ड्राइवर				
मोटरकारों, जिसके अंतर्गत स्टाफ कारें भी हैं, के ड्राइवर	(1) 260-6-326-र. र. -8-350 (2) 260-6-290-र. र. -6-326-8-386-र. र. -8-390-10-400	950-20-1150-र. र. -25-1500		
VI. अन्य प्रयोगों के कर्मचारियों				
(रसोइया और बिरा) रसोइया/रसोइया बिरा/बटर/बिरा/चिप्पर/बेटर, आदि	(1) 196-3-220-र. र. -3-232 (2) 200-3-212-4-232-र. र. -4-240 (3) 200-3-206-4-234-र. र. -4-250 (4) 210-4-250-र. र. -5-270 (5) 210-4-226-र. र. -4-250-र. र. -5-290 (6) 225-5-260-6-290-र. र. -8-308 (7) 260-6-326-र. र. -8-350 (8) 260-6-290-र. र. -6-326-8-386-र. र. -8-390-10-400 (9) 290-6-326-8-350-र. र. -8-390-10-400 (10) 320-6-326-8-390-10-400 (11) 330-8-370-10-400-र. र. -10-480	750-12-870-र. र. -14-940 775-12-955-र. र. -14-1025 800-15-1010-र. र. -20-1150 825-15-900-र. र. -20-1200 950-20-1150-र. र. -25-1500 1200-30-1440-र. र. -30-1800		

845 GI/86 (2)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
		रावे	रावे	
VI. अन्तःप्रवर्गों के कर्मचारीवृन्द —(जारी)	(1) 31-12-500-र.रो.-15-560	1320-30-1560-र.रो.-40-2040		संज्ञासूचियों/विभागों के 225-308 र. के वेतनमान वाले पदों के कार्य का पुनर्विलोकन करना चाहिए जिससे कि उन्हें 300-1150 र. या 950-1500 र. के वेतनमान के पदों में वर्गीकृत किया जाए। किन्तु इन पदों के विद्यमान पदधारी 825-15-900-र.रो.-20-1200 र. के वेतनमान में, जो उनके नियुक्ति के रूप में होगा तब तक बने रहेंगे जब तक कि वे 950-1500 र. के वेतनमान में रहने वाले र. द्वितीय चरण तक नहीं पहुँच जायें।

VII. अर्धचिकित्सीय कर्मचारीवृन्द

1. रेडियोग्राफर/एक्सरे तकनीक-विद्व	330-10-380-र.रो.-12-500-15-560	1350-30-1440-40-1800-र.रो.-50-2200	
2. चयन श्रेणी रेडियोग्राफर/एक्सरे तकनीकीविद्व फार्मासिस्ट (चयन श्रेणी)	425-15-500-र.रो.-20-640	1400-40-1600-50-2300-र.रो.-60-2600	
3. एक्स रे तकनीकविद्व	475-15-500-र.रो.-15-560-20-700	1400-40-1600-50-2300-र.रो.-60-2600	
4. सहायक नर्स और मिड वाइफ (स.न.मि.)	(1) 260-6-326-र.रो.-8-350 (2) 260-6-290-र.रो.-6-326-8-366-र.रो.-8-390-10-400	975-25-1150-र.रो.-30-1540	(1200-30-1560-र.रो.-40-2040 रुपये के वेतनमान में प्रोन्नति श्रेणी भी होगी जिसके लिए सामान्य प्रक्रिया के अनुसार प्रोन्नति अपेक्षित होगी)
5. स्टाफ नर्स/ज्येष्ठ नर्स ग्रेड-II	(1) 425-15-560-र.रो.-20-640 (2) 425-15-500-र.रो.-15-560-20-700	1400-40-1600-50-2300-र.रो.-60-2600	
6. नर्सिंग सिस्टर/पब्लिक हेल्थ नर्स/ज्येष्ठ नर्स ग्रेड-I	(1) 455-15-560-र.रो.-20-700 (2) 470-15-530-र.रो.-20-650-र.रो.-25-750 (3) 550-20-650-25-700	1640-60-2600-र.रो.-75-2900	
7. नर्सिंग कर्मचारीवृन्द (पथ-केन्द्रीय)/सीनियर मैट्रन/मैट्रन/पब्लिक हेल्थ नर्सिंग सुपरवाइजर	(1) 550-20-650-25-750 (2) 550-20-750-र.रो.-30-900 (3) 650-30-740-35-880-र.रो.-40-980 (4) 700-30-760-35-900	2000-60-2300-र.रो.-75-3200	

VIII. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

1. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ख में सम्मिलित कर्तव्य पद	650-30-740-35-880-र.रो.-40-1040	2000-60-2300-र.रो.-75-3200-100-3500	प्रत्येक संयंत्रों में ऐसे आशुलिपिक कार्यालय हैं, जो केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में भागी नहीं हैं, किन्तु जहाँ ऐसे पद तुलनीय ग्रेडों की वेतनमानों में हैं और जहाँ पदों की प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से ही है वहाँ इन संयंत्रों के उदाहरणार्थ, डिप्टी सचिवालय के आशुलिपिकों के इस वर्ग में उल्लिखित नहीं पुनर्विलोकन वेतनमान प्रयोज्य होंगे।
2. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड 'क' में सम्मिलित कर्तव्य पद	650-30-740-35-810-र.रो.-35-880-40-1000-र.रो.-40-1200		

Abstract

* (1) , 1 जनवरी, 1986 से पुनरीक्षित वेतनमान (वेतनमानों) लेने का निश्चय करता हूँ।

*अपनी अगली वेतनवृद्धि की तारीख तक अपनी पश्चात्पूर्वी वेतनवृद्धि की तारीख तक जिसको मेरा वेतन बढ़कर विद्यमान पद छोड़ देने तक/विद्यमान वेतनमान में वेतन लेना बन्द कर देने तक मेरा विद्यमान वेतनमान रुपये है।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
कार्यालय
जिसमें
नियोजित है

आय

अपर सचिव, भारत सरकार

नियम :—यह नियम स्वतः बख्खाने है ।

नियम 2—यह नियम कार्यवाहियों के सब ढवलों का उल्लेख करता है जिन्हें ये नियम लागू हैं। निम्न उन प्रवर्गों के जो खंड (2) के अधीन व्यवस्थित किए गए हैं, ये नियम राष्ट्रपति की नियम बनाने की शक्ति के अधीन, रक्षा प्रावधानों में से संदत्त विभागों में सेवा कर रहे, सभी व्यक्तियों को लागू होंगे।

नियम ३-—यह नियम स्वतः स्पष्ट है ।

नियम 4—ऐसे कर्मचारियों की श्रावण जो वर्तमान में समूह "क" और समूह "ग" में हैं और जिनके लिए वेतन प्रयोग ने समूह "क" के किसी प्रकार को लागू वेतनमात्रों की सिफारिश की है, यह नियम तब समय तक लागू नहीं होगा जब तक ऐसे कर्मचारियों को जानूँ होने वाले वेतनमात्र अधिसूचित नहीं कर दिए जाते हैं।

नियम 8—माध्यम यह है कि सभी सरकारी सेवकों को पुनर्गठन
बैतनमान में लाया जाए। सिवाए उनके जो विद्यमान बैतनमानों में बैतन
लेने का निश्चय करते हैं। वे कर्मचारी जो विद्यमान बैतनमानों में होते
रहने का विकल्प करते हैं। 1 जनवरी, 1986 को एम्प्लूमेंट पर महंगाई
बैतन, महंगाई बढ़ता, तदर्थ महंगाई बढ़ता और अंतरिम राहत लेते रहने
और महंगाई बैतन, मकान किराए, इतिकरालयक बत्ते और पेंशन के लिए
परिवर्धियों, ग्राह्य के लिए उस विस्तार तक गणना में लिया जाएगा
जिस तक वह उसके तारीख को गणना में लिया जाता था।

परि सोही मरुकासी विष्क मरुकासी दिसिवा से अवासी एक मरुका
 एक मरुका है और विष्क मरुका एक मरुका मरुका मरुका मरुका मरुका मरुका मरुका मरुका
 है या किसी एक या अधिक पक्षों पर स्थापित रूप से कार्य करता है

वह प्रतिनियुक्ति आदि पर न होता तो उसे केवल एक पद की बाबत विद्यमान बेतनमान को प्रतिधारित करने का विकल्प है। ऐसा सरकारी सेवक स्थायी पद को साथ विद्यमान बेतनमान, या स्थानापन्न पदों में से किसी एक के बेतनमान, को प्रतिधारित कर सकता है। मेष पर्वों की बाबत उसे अनिवार्य रूप से पुनरीकृत बेतनमान में ही रखा होगा।

नियम 5 का संशोधन करण 3—पूँक सरकारी सेवा को केवल प्रवि-
ष्टाधी या किसी एक स्थानापन्न पद की आवश्यक विद्यमान बेतनमान को
प्रतिधारित करने का विकल्प होगा अतः उस सरकारी सेवा को, जो अपने
स्थानापन्न पद की आवश्यक विद्यमान बेतन का प्रतिधारण करता है, उसके
समिष्टाधी पद की आवश्यक पुनरीक्षित बेतनमान में लाया जाएगा। प्रवि-
ष्टाधी पद के पुनरीक्षित बेतनमान में महुंगाई बेतन/प्रतिरिक्त महुंगाई बत्ता/
तदर्थ महुंगाई बत्ता पुनरीक्षित बेतनमान में शामिल हो जाएगा जबकि
स्थानापन्न बेतनमान में उसे महुंगाई बेतन और प्रतिरिक्त महुंगाई बत्ते/
तदर्थ महुंगाई बत्ते को विद्यमान करें अनुज्ञात होंगी। यदि उसका बेतन
समस्ततर स्थानापन्न पद के विद्यमान बेतनमान में, प्रविष्टाधी पद के
पुनरीक्षित बेतनमान से बेतन के प्रतिनिर्देश से पुनः वियत किया जाता है
तो इसके उसे महुंगाई बत्ता महुंगाई बेतन और प्रतिरिक्त महुंगाई बत्ते में दो बार
प्रत्येक बार प्रविष्टाधी पद के महुंगाई बेतन तथा प्रविष्टाधी पद के महुंगाई बत्ते
को विद्यमान करने के लिए है।

नियम ७०-७२ नियम वह पद्धति विहित करता है जिससे विकल्प का प्रयोग किया जाता है और उस प्राधिकारी को भी विहित करता है जिसे ऐसे विकल्प की सूचना दी जानी चाहिए। विकल्प इन नियमों से उपायक उचित प्रारूप में किया जाएगा। यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि सरकारों सेवक के लिए केवल यह पर्याप्त नहीं है कि वह विनिश्चित समय की परीक्षा में विकल्प का प्रयोग करे अपितु यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विकल्प विहित प्राधिकारी के पास समय की परीक्षा के दौरान पहुँच सके। ऐसे व्यक्तियों की दृष्टि में जो इन नियमों के प्रवृत्त होने के समय काम में प्रवृत्त हैं विकल्प करने की प्रशक्ति प्राप्त है। यह का प्रचार करने वाले का उत्तरदायित्व है कि यह है उन सरकारी सेवकों की दृष्टि में जिनके यहां के पुनरावृत्त बसवमान इन नियमों के जारी

किए जाने की तारीख के पश्चात् घोषित किए जाते हैं। ऐसे मामलों की संख्या अधिक होगी।

ऐसे व्यक्ति भी, जो 1 जनवरी, 1986 और इन नियमों के जारी करने की तारीख के बीच सेवानिवृत्त हो गए हैं, विकल्प करने के पात्र हैं।

नियम 7(1)—इस नियम का संबंध 1 जनवरी, 1986 की विद्यमान वेतनमानों में वेतन को वास्तविक रूप से नियत करने से है। सरकारी सेवकों का वेतनमान उप-नियम के अन्तर्गत तथा नियम 7 (1) के नीचे विधियों के अन्तर्गत वेतन में वृद्धि के अन्तर्गत रहते हुए जिस रीति से नियत किया जाना चाहिए इसके कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं :

उदाहरण सं. 1

1. विद्यमान वेतनमान	260-6-290-र. री.-6-326-8-366-र. री.-8-390-10-400 र.
2. प्रस्तापित वेतनमान	950-20-1150-र. री.-25-1500 र.
3. विद्यमान मूल वेतन	342.00 र.
4. औसत सूचकांक 608 पर महुंगाई वेतन/अतिरिक्त महुंगाई अंश	662.50 र.
5. अंतरिम राहत की दो किस्तें	110.00 र.
6. विद्यमान परिलब्धियां	1114.50 र.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत न्यूनतम 75 र. तक जोड़िए	75.00 र.
योग	1189.50 र.

प्रस्तापित वेतनमान में नियत किया जाने वाला वेतन

1200.00 र.

उदाहरण सं. 2

1. विद्यमान वेतनमान	550-20-650-25-750+80 र. विशेष वेतन
2. प्रस्तापित वेतनमान	2000-60-2300-र. री.-75-3260 र. (विशेष वेतन सहित)
3. विद्यमान मूल वेतन + विशेष वेतन	700 र. + 80 र.
4. मूल वेतन और विशेष वेतन पर औसत सूचकांक 608 पर महुंगाई वेतन/अतिरिक्त महुंगाई अंश	1143.80 र.
5. अंतरिम राहत की दो किस्तें	140.00 र.
6. विद्यमान परिलब्धियां	2043.80 र.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत जोड़िए	140.00 र.
योग	2183.80 र.

प्रस्तापित वेतनमान में नियत

किया जाने वाला वेतन 2240.00 र. (विशेष वेतन सहित)

उदाहरण सं. 8

1. विद्यमान वेतनमान	210-4-250-र. री.-3-270 र. 10 र. विशेष वेतन सहित
2. प्रस्तापित वेतनमान	800-15-1010-र. री.-20-1150 20 र. विशेष वेतन सहित
3. विद्यमान मूल वेतन	230 र.
4. औसत सूचकांक 608 पर महुंगाई वेतन/अतिरिक्त महुंगाई अंश	463.50 र.
5. अंतरिम राहत की दो किस्तें	100.00 र.
6. विद्यमान परिलब्धियां	793.50 र.
7. मूल वेतन का 20 प्रतिशत न्यूनतम 75 र. तक जोड़िए	75.00 र.
योग	868.50 र.
प्रस्तापित वेतनमान में नियत किया जाने वाला वेतन	975.00 र. + 20 र. विशेष वेतन

नियम 7 (2)—यह मूल नियम 31 (2) के उपबंधों के अनुसार है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस नियम का फायदा उन मामलों में अनुभूत नहीं है जहाँ सरकारी सेवकों में अपने अधिकारों पर की जाबान जवाबदार वेतनमान लेने का विचार किया है किन्तु स्थानांतरण पर की जाबान जवाबदार वेतनमान का प्रतिधारण किया है।

नियम 8—यह नियम 32 (2) के उपबंधों के अनुसार है जिसमें यह वेतनमान में जाबान जवाबदार वेतनमान को जारी किया है। इस नियम के अन्तर्गत वेतनमान के अन्तर्गत सरकारी सेवकों के वेतन की विधियों को दूर करने के लिए प्रावधान है जो इस नियम के अधिकारों के अन्तर्गत के कारण अपने अधिकारों के अधिक वेतन ले रहे हैं और इसमें उन सरकारी सेवकों का भी शामिल रखा गया है जो 1-1-1986 को एक वर्ष से अधिक से विद्यमान वेतनमान में अधिकतम वेतन ले रहे हैं तथा उन सरकारी सेवकों का भी शामिल रखा गया है जो विद्यमान वेतन के अधिकतम पर रुके हुए हैं और जाबान जवाबदार वेतनमान पर अधिकतम वेतन ले रहे हैं।

नियम 9—यह नियम 33 (2) के उपबंधों के अनुसार है।

नियम 10—यह नियम 34 (2) के उपबंधों के अनुसार है जिसमें यह वेतनमान में जाबान जवाबदार वेतनमान को जारी किया है। इस नियम के अन्तर्गत वेतनमान के अन्तर्गत सरकारी सेवकों के वेतन की विधियों को दूर करने के लिए प्रावधान है जो इस नियम के अधिकारों के अन्तर्गत के कारण अपने अधिकारों के अधिक वेतन ले रहे हैं और इसमें उन सरकारी सेवकों का भी शामिल रखा गया है जो 1-1-1986 को एक वर्ष से अधिक से विद्यमान वेतनमान में अधिकतम वेतन ले रहे हैं तथा उन सरकारी सेवकों का भी शामिल रखा गया है जो विद्यमान वेतन के अधिकतम पर रुके हुए हैं और जाबान जवाबदार वेतनमान पर अधिकतम वेतन ले रहे हैं।

[सं ए/26023/5/86 की (प्रा. सो.)]

बी. एन. बहादुर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 23rd September, 1986

NOTIFICATION

S.R.O. 12(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Civilians in Defence Services (Revised Pay) Rules, 1986.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1986.

2. Categories of Government servants to whom the rules apply.—(1) Save as otherwise provided by or under these rules, these rules shall apply to persons appointed to civil services and posts in Defence Services whose pay is debitable to the Defence Services Estimates.

(2) These rules shall not apply to:—

- (a) Government servants in a Group 'A' service or holding a Group 'A' post;
- (b) permanent employees of former Indian States absorbed in Civil Services and posts in connection with the affairs of the Union, but governed by the pre-absorption conditions of service under the Central Civil Services (Part B States Transferred Employees) Rules, 1953;
- (c) persons locally recruited for service in Diplomatic Consular or other Indian establishments in foreign countries;
- (d) persons not in whole-time employment;
- (e) persons paid out of contingencies;
- (f) persons paid otherwise than on a monthly basis including those paid only on a piece-rate basis;
- (g) persons employed on contract except where the contract provides otherwise;
- (h) persons re-employed in Government service after retirement;
- (i) any other class or category of persons whom the President may, by order, specifically exclude from the operation of all or any of the provisions contained in these rules.

3. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires:—

- (1) "basic pay" means pay as defined in Fundamental Rule 9(21)(a)(i);
- (2) "existing scale" in relation to a Government servant means the present scale applicable to the post held by the Government servant (or, as the case may be, personal scale applicable to him) as on the 1st day of January, 1986 whether in a substantive or officiating capacity.

Explanation.—In the case of a Government servant, who was on the 1st day of January, 1986 on deputation out of India or on leave or on foreign service, or who would have on that date officiated in a post or lower post but for his officiating in a higher post, "existing scale" includes the scale applicable to the post which he would have held but for his being on deputation out of India or on leave or on foreign service or, as the case may be, but for his officiating in a higher post;

(3) "Present scale" in relation to any post specified in column 2 of the first schedule means the scale of pay specified against that post in column 3 thereof;

(4) "revised emoluments" means the basic pay of a Government servant in the revised scale and includes the revised non-practising allowance, if any, admissible to him, in addition to the pay in the revised scale;

(5) "revised scale" in relation to any post specified in column 2 of the First Schedule means, the scale of pay specified against that post in column 4 thereof unless a different revised scale is notified separately for that post;

(6) "Schedule" means a schedule annexed to these rules.

4. Scale of pay of posts.—As from the date of commencement of these rules, the scale of pay of every post specified in column 2 of the First Schedule shall be as specified against it in column 4 thereof.

5. Drawal of pay in the revised scales.—Save as otherwise provided in these rules, a Government servant shall draw pay in the revised scale applicable to the post to which he is appointed:

Provided that a Government servant may elect to continue to draw pay in the existing scale until the date on which he earns his next or any subsequent increment in the existing scale or until he vacates his post or ceases to draw pay in that scale.

Explanation 1.—The option to retain the existing scale under the proviso to this rule shall be admissible only in respect of one existing scale.

Explanation 2.—The aforesaid option shall not be admissible to any person appointed to a post on or after the 1st day of January, 1986, whether for the first time in Government service, or by transfer or promotion from another post and he shall be allowed pay only in the revised scale.

Explanation 3.—Where a Government servant exercises the option under the proviso to this rule to retain the existing scale in respect of a post held by him in an officiating capacity on a regular basis for the purpose of regulation of pay in that scale under Fundamental Rule 22 or Fundamental Rule 31, or any other rule or order applicable to that post, his substantive pay shall be the substantive pay which he would have drawn had he retained the existing scale in respect of the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien had his lien not been suspended or the pay of the officiating post which has acquired the character of substantive pay in accordance with any order for the time being in force, whichever is higher.

6. Exercise of Option.—

- (1) The option under the proviso to rule 5 shall be exercised in writing in the form appended to the Second Schedule so as to reach the authority mentioned in sub-rule (2) within three months of the date of publication of these rules or where an existing scale has been revised by any order made subsequent to that date, within three months of the date of such order:

Provided that—

- (i) in the case of a Government servant who is, on the date of such publication or, as the case may be, date of such order, out of India on leave or deputation or foreign service or active service, the said option shall be exercised in writing so as to reach the said authority within three months of the date of his taking charge of his post in India; and

(3) Where a Government servant is under suspension on the 1st day of January, 1986, the option may be exercised within three months of the date of his return to his duty if that date is later than the date prescribed in this sub-rule.

(2) The option shall be intimated by the Government servant to the Head of his Office.

(3) If the intimation regarding option is not received within the time mentioned in sub-rule (1), the Government servant shall be deemed to have elected to be governed by the revised scale of pay with effect on and from the 1st day of January, 1986.

(4) The option once exercised shall be final.

Note 1.—Persons whose services were terminated on or after the 1st January, 1986 and who could not exercise the option within the prescribed time limit, on account of death, discharge on the expiry of the sanctioned posts, resignation, dismissal or discharge on disciplinary grounds, are entitled to the benefits of this rule.

Note 2.—Persons who have died on or after the 1st day of January, 1986 and could not exercise the option within the prescribed time limit be deemed to have opted for the revised scales on and from the 1st day of January, 1986 or such later date as is most beneficial to their dependents, if the revised scales are more favourable and in such cases, necessary action for payment of arrears should be taken by the Head of Office.

7. Fixation of initial pay in the revised scale.—(1) The initial pay of a Government servant who elects, or is deemed to have elected under sub-rule (3) of rule 6 to be governed by the revised scale on and from the 1st day of January, 1986, shall, unless in any case the President by special order otherwise directs, be fixed separately in respect of his substantive pay in the permanent post on which he holds a lien or would have held a lien if it had not been suspended, and in respect of his pay in the officiating post held by him, in the following manner, namely:—

(A) in the case of all employees,—

(i) an amount representing 20 per cent of the basic pay in the existing scale, subject to a minimum of Rs. 75, shall be added to the "existing emoluments" of the employee;

(ii) after the existing emoluments have been so increased, the pay shall thereafter be fixed in the revised scale at the stage next above the amount thus computed;

Provided that—

(a) if the minimum of the revised scale is more than the amount so arrived at, the pay shall be fixed at the minimum of the revised scale;

(b) if the amount so arrived at is more than the maximum of the revised scale, the pay shall be fixed at the maximum of that scale.

Explanation.—For the purpose of this clause "existing emoluments" shall include,—

(a) the basic pay in the existing scale;

(b) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay admissible at index average 608 (1960=100); and

(c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale;

(B) in the case of employees who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scale and where the existing scale with special pay has been replaced by a scale of pay without any special pay, the pay shall be fixed in the revised scale in accordance with the provisions of clause (A) above except that in such cases "existing emoluments" shall include—

(a) the basic pay in the existing scale;

(b) existing amount of special pay;

(c) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay and special pay admissible at index average 608 (1960=100) under the relevant orders; and

(d) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale and special pay under the relevant orders;

(C) in the case of employees who are in receipt of special pay in addition to pay in the existing scales and in whose case special pay continues with the revised scale of pay either at the same rate or at a different rate, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of clause (A) above with reference to existing emoluments calculated in accordance with the Explanation thereto, after excluding the existing special pay and the amounts admissible thereon with reference to dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance and in such cases special pay at the new rate shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale;

(D) in the case of medical officers who are in receipt of non-practising allowance, the pay in the revised scale shall be fixed in accordance with the provisions of clause (A) above except that in such cases the term "existing emoluments" shall include only:—

(a) the basic pay in the existing scale;

(b) dearness pay, additional dearness allowance and ad hoc dearness allowance appropriate to the basic pay and non-practising allowance admissible at index average 608 (1960=100) under the relevant orders; and

(c) the amounts of first and second instalments of interim relief admissible on the basic pay in the existing scale and non-practising allowance under the relevant orders,

and in such cases, non-practising allowance at the new rates shall be drawn in addition to the pay so fixed in the revised scale.

Note 1.—Where a Government servant is holding a permanent post and is officiating in a higher post on a regular basis and the scales applicable to these two posts are merged into one scale, the pay shall be fixed under this sub-rule with reference to the officiating post only, and the pay so fixed shall be treated as substantive pay.

The provisions of this Note shall apply, mutatis mutandis, to Government servants holding in an officiating capacity posts on different existing scales which have been replaced by a single revised scale.

Note 2.—Where the existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, exceed the revised emoluments in the case of any Government servant, the difference shall be allowed, as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

Note 3.—Where in the fixation of pay under sub-rule (1) the pay of Government servants drawing pay at more than five consecutive stages in an existing scale gets bunched, that is to say gets fixed in the revised scale at the same stage, the pay in the revised scale of such of these Government servants who are drawing pay beyond the first five consecutive stages in the existing scale shall be stepped up

to the stage where such bunching occurs, as under, by the grant of increment(s) in the revised scale in the following manner, namely:—

- (a) for Government servants drawing pay from the 6th upto the 10th stage in the existing scale—By one increment;
- (b) for Government servants drawing pay from the 11th upto the 15th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 10th stage—By two increments;
- (c) for Government servants drawing pay from the 16th upto the 20th stage in the existing scale, if there is bunching beyond the 15th stage—By three increments.

If by stepping up of the pay as above, the pay of a Government servant gets fixed at a stage in the revised scale which is higher than the stage in the revised scale at which the pay of a Government servant who was drawing pay at the next higher stage or stages in the same existing scale is fixed, the pay of the latter shall also be stepped up only to the extent by which it falls short of that of the former.

Note 4.—Where in the fixation of pay under sub-rule (1) pay of a Government servant, who, in the existing scale was drawing immediately before the 1st day of January, 1986 more pay than another Government servant junior to him in the same cadre, gets fixed in the revised scale at a stage lower than that of such junior, his pay shall be stepped up to the same stage in the revised scale as that of the junior.

Note 5.—Where a Government servant is in receipt of personal pay on the 1st day of January, 1986, which together with his existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, exceeds the revised emoluments, then, the difference representing such excess shall be allowed to such Government servant as personal pay to be absorbed in future increases in pay.

Note 6.—In the case of employees who are in receipt of personal pay for passing Hindi Pragma, Hindi Typewriting, Hindi Shorthand and such other examinations under the "Hindi Teaching Scheme", or, on successfully undergoing training in cash and accounts matters prior to the 1st day of January, 1986, while the personal pay shall not be taken into account for purposes of fixation of initial pay in the revised scales, they would continue to draw personal pay after fixation of their pay in the revised scale on and from the 1st day of January, 1986 or subsequently for the period for which they would have drawn it but for the fixation of their pay in the revised scale. The quantum of such personal pay would be paid at the appropriate rate of increment in the revised scale from the date of fixation of pay for the period for which the employee would have continued to draw it.

Explanation.—For the purpose of this Note, "appropriate rate of increment in the revised scale" means the amount of increment admissible at and immediately beyond the stage at which the pay of the employee is fixed in the revised scale.

Note 7.—In cases, where a senior Government servant promoted to a higher post before the 1st day of January, 1986 draws less pay in the revised scale than his junior who is promoted to the higher post on or after the 1st day of January, 1986, the pay of the senior Government servant should be stepped up to an amount equal to the pay as fixed for his junior in that higher post. The stepping up should be done with effect from the date of promotion of the junior Government servant subject to the fulfilment of the following conditions, namely:—

- (a) both the junior and the senior Government servants should belong to the same cadre and the posts in which they have been promoted should be identical in the same cadre.
- (b) the pre-revised and revised scales of pay of the lower and higher posts in which they are entitled to draw pay should be identical, and
- (c) the anomaly should be directly as a result of the application of the provisions of Fundamental Rule 22-C or any other rule or order regulating

pay fixation on such promotion in the revised scale. If even in the lower post, the junior officer was drawing less pay in the pre-revised scale than the senior officer, the provisions of this Note need not be invoked to step up the pay of the senior officer.

The orders relating to refixation of the pay of the senior officer in accordance with the above provisions should be issued under Fundamental Rule 27 and the senior officer will be entitled to the next increment on completion of his required qualifying service with effect from the date of refixation of pay.

(2) Subject to the provisions of rule 5, if the pay as fixed in the officiating post under sub-rule (1) is lower than the pay fixed in the substantive post, the former shall be fixed at the stage next above the substantive pay.

3. Date of next increment in the revised scale.—The next increment of a Government servant whose pay has been fixed in the revised scale in accordance with sub-rule (1) of rule 7 shall be granted on the date he would have drawn his increment had he continued in the existing scale:

Provided that in cases where the pay of a Government servant is stepped up in terms of Note 3 or Note 4 or Note 7 to sub-rule (1) of rule 7, the next increment shall be granted on the completion of qualifying service of twelve months from the date of stepping up of the pay in the revised scale:

Provided further that in cases other than those covered by the preceding proviso, the next increment of a Government servant, whose pay is fixed on the 1st day of January, 1986 at the same stage as the one fixed for another Government servant junior to him in the same cadre and drawing pay at lower stage than his in the existing scale, shall be granted on the same date as admissible to his junior, if the date of increment of the junior happens to be earlier:

Provided also that in the case of persons who had been drawing maximum of the existing scale for more than a year as on the 1st day of January, 1986, next increment in the revised scale shall be allowed on the 1st day of January, 1986;

Provided also that in the case of Government servants who were in receipt of an ad hoc increment on their stagnating for more than two years at the maximum of the existing scale of pay as on the 1st day of January, 1986, one more increment in the revised scale shall be allowed to them on the 1st day of January, 1986, in addition to the increment already allowed under the preceding proviso.

Note 1.—Wherever the pay has been fixed in terms of the above provisos the efficiency bar will become operative only with reference to such bars in the revised scale, irrespective of whether a Government servant had crossed or not crossed or had been held up at the efficiency bar in the existing scale.

Note 2.—The benefit of additional increment under the fourth proviso will also be notionally admissible to a Government servant in the scale in which he would have got an ad hoc increment on his stagnating for more than two years at the maximum of the existing scale of pay as on the 1st day of January, 1986 but for his holding higher officiating post, subject to the maximum of the revised scale not being exceeded, irrespective of whether he was actually in receipt of the ad hoc increment or not.

Note 3.—Where by the grant of two additional increments in terms of the third and fourth provisos in the revised scale applicable to the substantive post, the substantive pay of a Government servant exceeds his officiating pay at any time, the Government servant may be allowed, in addition to officiating pay, the difference between the officiating pay and substantive pay as personal pay to be absorbed in future increments for the periods during which the substantive pay exceeds the officiating pay.

Notes 4.—In cases where two existing scales, one being a promotional scale for the other, are merged, and the junior Government servant, now drawing his pay in the lower scale, is receiving personal pay for stagnating in that scale, and happens to draw more pay in the revised scale due to grant of additional increment under Notes 2 and 3 above, than the pay of the senior Government servant in the existing higher scale, the pay of the senior Government servant in the revised scale shall be stepped up to that of his junior from the same date and he shall draw next increment after completing the qualifying period from the date of such stepping up of pay.

9. Fixation of pay in the revised scale subsequent to the 1st day of January, 1986.—Where a Government servant continues to draw his pay in the existing scale and is brought over to revised scale from a date later than the 1st day of January, 1986, his pay from the later date in the revised scale shall be fixed under the Fundamental Rules or any other rule or order applicable to that post and for this purpose his pay in the existing scale shall have the same meaning as of existing emoluments as calculated in accordance with clause (A), clause (B), clause (C) or clause (D), as the case may be, of sub-rule (1) of rule 7 except that the basic pay to be taken into account for calculation of these emoluments will be the basic pay on the later date aforesaid and where the Government servant is in receipt of special pay or non-practising allowance, his pay shall be fixed after deducting from those emoluments an amount equal to the special pay or non-practising allowance, as the case may be, at the revised rates appropriate to the emoluments so calculated.

10. Fixation of pay on reappointment after the 1st day of January, 1986 to a post held prior to that date.—A Government servant who had officiated in a post prior to the 1st day of January, 1986 but was not holding that post on that date and who on subsequent appointment to that post draws pay in the revised scale of pay shall be allowed the benefit of the proviso to Fundamental Rule 22 or the fourth proviso to Fundamental Rule 22-C, as the case may be, to the extent it would have been admissible had he been holding that post on the 1st day of January, 1986, and had elected the revised scale of pay on and from that date.

11. Mode of payment of arrears of pay.—Notwithstanding anything contained in these rules, the arrears of pay to which any Government servant may be entitled in respect

of the relevant period under these rules shall be paid to the Government servant either in cash or by crediting the same to the provident fund account of the Government servant or by crediting the same to a special savings account to be opened in the name of the Government servant or partly in cash and partly by all or any of the other modes aforesaid, as the President may, by order, determine in this behalf.

Explanation.—For the purposes of this rule—

(a) "arrears of pay", in relation to a Government servant, means the difference between—

(i) the aggregate of the pay and allowances to which he is entitled on account of the revision of his pay and allowances under these rules, for the relevant period; and

(ii) the aggregate of the pay and allowances to which he would have been entitled (whether such pay and allowances had been received or not) for that period had his pay and allowances not been so revised;

(b) "relevant period" means the period commencing on the 1st day of January, 1986 and ending with the 30th day of September, 1986.

12. Overriding effect of Rules.—The provisions of the Fundamental Rules, or any other rule or order applicable to that post the Civilian in Defence Services (Revision of Pay) Rules, 1947, the Civilian in Defence Services (Revised Pay) Rules, 1973 shall not, save as otherwise provided in these rules, apply to cases where pay is regularised under these rules, to the extent they are inconsistent with these rules.

13. Power to relax.—Where the President is satisfied that the operation of all or any of the provisions of these rules causes undue hardship in any particular case, he may, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions he may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

14. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of any of the provisions of these rules, it shall be referred to the Central Government for decision.

THE FIRST SCHEDULE

(See Rules 3 & 4)

PART—A

Revised scales for posts carrying present scales in Groups 'D', 'C' & 'B' except posts for which different revised scales are notified separately.

S. No.	Posts	Present scale	Revised scale
1	2	3	4
		Rs.	Rs.
GROUP 'D'			
1. All posts carrying present scales specified in Column 3.	(a) 160-2-170	750/- (Fixed)	Until the employees concerned are brought over on the regular scale after attaining the prescribed age of recruitment.
	(b) 180/- (Fixed)	750-12-870-EB-14-940	
	(c) 196-3-220-EB-3-232		
	(d) 200-3-212-4-232-EB-4-240 (Selection Grade)		

1	2	3	4
2.	All posts carrying present scales specified in column 3.	(a) 200-3-206-4-234-EB-4-250 (b) 200-3-212-4-232-EB-4-240-5-250 (c) 210-4-226-EB-4-250 (d) 200-3-212-4-232-EB-4-240	775-12-955-EB-14-1025
3.	-do-	(a) 210-4-250-EB-5-270 (b) 210-4-250-EB-4-270 (c) 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290	800-15-1010-EB-20-1150

GROUPS 'C' AND 'B'

4.	-do-	225-5-260-6-290-EB-6-308	825-15-900-EB-20-1200
5.	-do-	(a) 225-5-260-6-326-EB-8-350 (b) 260-6-326-EB-8-350	970-20-1150-EB-25-1400
6.	-do-	(a) 260-6-250-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400 (b) 290-6-326-EB-8-350	950-20-1150-EB-25-1500
7.	-do-	(a) 260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430 (b) 290-6-326-8-350-EB-8-390-10-400	975-25-1150-EB-30-1540
8.	-do-	260-8-300-EB-8-340-10-360-12-420-EB-17-480	975-25-1150-EB-30-1660
9.	-do-	320-6-326-8-390-10-400	1150-25-1500
10.	-do-	(a) 330-8-370-10-400-EB-10-450 (b) 330-8-370-10-400-EB-10-480	1200-30-1440-EB-30-1800
11.	-do-	(a) 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 (b) 330-10-350-EB-380-15-500-EB-15-560 (c) 330-8-370-10-400-EB-10-500-15-530 (d) 290-8-330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 (e) 290-10-350-EB-12-410-EB-15-500	1200-30-1560-EB-40-2040
12.	-do-	(a) 380-12-500-15-530 (b) 380-12-500-EB-15-560	1320-30-1560-EB-40-2040
13.	-do-	(a) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-620 (b) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640 (c) 425-15-530-EB-15-560-20-600 (d) 470-15-560-20-580	1350-30-1440-40-1800-EB-50-2200

1	2	3	4
14	All posts carrying present scales specified in Col. 3	(a) 425-15-560-EB-20-640 (b) 425-15-500-EB-15-560-20-700 (c) 455-15-560-EB-20-700	} 1400-40-1800-EB-50-2300
15.	-do-	(a) 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800 (b) 425-15-500-EB-15-560-20-640-EB-20-700-25-750 (c) 440-15-515-EB-15-560-20-700-EB-25-750 (d) 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750 (e) 440-20-500-EB-25-700-EB-25-750	} 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600 } 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600
16.	-do-	(a) 550-20-650-25-800 (b) 550-20-650-25-750 (c) 550-20-650-25-700 (d) 550-25-750	} 1600-50-2300-EB-60-2660 }
17.	-do-	(a) 500-20-700-EB-25-900 (b) 500-25-750-30-900 (c) 550-20-650-25-750-EB-30-900 (d) 550-25-900 (e) 550-25-750-EB-30-900	} 1640-60-2600-EB-75-2900 }
18.	-do-	(a) 650-30-740-35-880-EB-40-960 (b) 700-30-760-35-900 (c) 650-30-740-35-880-EB-40-1040 (d) 775-35-880-40-1000	} 2000-60-2300-EB-75-3000 }
19.	-do-	650-30-710	2000-60-2120
20.	-do-	(a) 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (b) 650-45-1010-EB-45-1100-50-1200 (c) 775-35-880-40-1000-EB-40-1200	} 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 }
21.	-do-	(a) 840-40-1000-EB-40-1200 (b) 840-40-1040	} 2375-75-3200-EB-100-3500 }

NOTE :—Except as otherwise provided, in the case of an employee drawing pay in the Selection Grade before the date of publication of these rules, his pay shall be fixed in the revised scale corresponding to such Selection Grade and the said pay shall be personal to such employee.

PART-B

Revised scales of pay for certain other Categories of Staff

Sl. No.	Posts	Present scale	Revised scale	
1	2	3	4	
		Rs.	Rs.	
I. WORKSHOP STAFF				
1.	All posts carrying the present scales specified in Column 3.	196-3-220-EB-3-232	750-12-870-EB-14-940	The Ministry to review the work content of the posts carrying the scale of Rs. 225-308 so that they are classified as carrying either the scale of Rs. 800-1150 or Rs. 950-1500. But the existing incumbents of these posts will continue in the revised scale of Rs. 825-15-900-EB-20-1200 as personal to them unless they are found fit for being placed in the scale of Rs. 950-1500.
2.	All posts carrying the present scales specified in Column 3	(i) 210-4-250-EB-5-270 (ii) 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290	800-15-1010-EB-20-1150	
3.	-do-	(i) 260-6-326-EB-8-350 (ii) 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400 (iii) 320-6-326-8-390-10-400		
4.	-do-	330-8-370-10-400-EB-10-480	1200-30-1440-EB-30-1800	
5.	-do-	380-12-500-EB-15-560	1320-30-1560-EB-40-2040	
6.	-do-	425-15-560-EB-20-640	1400-40-1800-EB-50-2300	
7.	Technical Supervisors All posts carrying the present scales specified in Column 3	(i) 380-12-500-EB-15-560. (ii) 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640 (iii) 425-15-530-EB-15-560-20-600. (iv) 425-15-560-EB-20-640 (v) 425-15-500-EB-15-560-20-700 (vi) 455-15-560-EB-20-700	1400-40-1800-EB-50-2300	
		(vii) 550-20-650-25-750 (viii) 550-20-650-25-800		
		(ix) 700-30-760-35-900 (x) 650-30-740-35-880-EB-40-960	2000-60-2300-EB-75-3200	
		(xi) 840-40-1040 (xii) 840-40-1000-EB-40-1200		
II. OFFICE STAFF WORKING IN ORGANISATIONS OUT SIDE THE SECRETARIAT				
Stenographer Gr. III		330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	1200-30-1560-EB-40-2040	2000-60-2300-EB-75-3200 for posts of Stenographers attached to officers of Senior Administrative Grade and equivalent posts by suitably upgrading the required number of posts of Stenographers from the lower grades. These posts in the new higher scale should be filled by promotion as per normal procedure.
Stenographer Gr. II		425-15-500-EB-15-560-20-700	1400-40-1800-EB-50-2300	
Stenographer Gr. I		550-25-750-EB-30-900	1640-60-2600-EB-75-2900	

1	2	3	4		
		Rs.	Rs.		
III. TEACHING STAFF					
1. Primary School Teacher	330-10-350-EB-580-15-500-EB-15-560	1200-30-1560-EB-40-2040	Those teachers who are not in the existing scales of pay mentioned in Col. 3 may be given the revised scales mentioned in this Col. only after ensuring that they have the prescribed qualifications. Those who do not possess prescribed qualifications will be given the revised scales mentioned in Part 'A' of this Schedule, which correspond to their existing scales. The Selection Grade scale indicated in this column will be admissible only to those teachers who are already in the existing Selection Grade scales mentioned in column 3.		
2. Trained Graduate Teacher/Head Master, Primary School	440-20-500-EB-25-700-EB-25-750	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600			
3. Post Graduate Teacher/Head Master, Middle School	550-25-750-EB-30-900	1600-50-2600-EB-75-2900			
4. Primary School Teacher (SG)	530-20-630	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600			
5. Trained Graduate Teachers (SG)/ Head Master, Primary School (SG)	740-35-880	1600-50-2600-EB-75-2900			
6. Post Graduate Teacher(SG)/Head Master, Middle School(SG)	775-35-880-40-1000	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500			
7. Vice-Principal/Head Master	650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500			
IV. LABORATORY TECHNICIANS					
1. Laboratory Assistant	290-10-350-EB-12-410-EB-15-500	1200-30-1560-EB-40-2040			
V. MOTOR VEHICLE DRIVER					
Drivers of Motor Vehicles including Staff Cars.	(i) 260-6-326-EB-8-350 (ii) 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	} 950-20-1150-EB-25-1500			
VI. OTHER CATEGORIES OF STAFF (COOK AND BEARER)					
Cooks/Cook Bearers/ Butlers/Bearers/ Attendants/Waiters, etc.	1. 196-3-220-EB-3-232	} 750-12-870-EB-14-940	The Ministry to review the work content of the posts carrying the scale of Rs. 225-308 so that they are classified as carrying either the scale of Rs. 800-1150 or 950-1500. But the existing incumbents of these posts will continue in the revised scale of Rs. 825-15-900-EB-20-1200 as personal to them unless they are found fit for being placed in the scale of Rs. 950-1500.		
	2. 200-3-212-4-232-EB-4-240				
	3. 200-3-206-4-234-EB-4-250	} 775-12-955-EB-14-1025			
	4. 210-4-250-EB-5-270.	} 800-15-1010-EB-20-1150			
	5. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290				
	6. 225-5-260-6-290-EB-6-308	} 825-15-900-EB-20-1200			
	7. 260-6-326-EB-8-350	} 950-20-1150-EB-25-1500			
	8. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400				
	9. 290-6-326-8-350-EB-8-390-10-400	} 1200-30-1440-EB-30-1800			
	10. 320-6-326-8-390-10-400				
	11. 330-8-370-10-400-EB-10-480	} 1320-30-1560-EB-40-2040			
	12. 380-12-500-EB-15-560				
VII. PARA MEDICAL STAFF					
1. Radiographers/X-Ray Technicians/Pharmacists	330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	1350-30-1440-40-1800-EB-50-2200			
2. S.G. Radiographers/X-Ray Technicians/ Pharmacists (S.G.) X Ray Technicians	425-15-560-EB-20-640 425-15-500-EB-15-560-20-700	} 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600			

1	2	3	4
	Rs.	Rs.	
4. Auxiliary Nurse/ Midwifery) and Midwife (ANM) Midwife (Ordinary Grade)	(i) 260-6-326-EB-8-350 (ii) 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	975-25-1150-EB-30-1540 (There will also be a promotional grade in scale of Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040 requiring promotion as per normal procedure.)	
5. Staff Nurses/ Senior Nurse Gr. II)	(i) 425-15-560-EB-20-540 (ii) 425-15-500-EB-15-560-20-700	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	
6. Nursing Sister/ Public Health Nurse/ Senior Nurse Grade I	(i) 455-15-560-EB-20-700 (ii) 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750 (iii) 550-20-650-25-700	1640-60-2600-EB-75-2900	
7. Nursing Staff (Supervisory) Senior Matron/ Matron Public Health Nursing Supervisor	(i) 550-20-650-25-750 (ii) 550-25-750-EB-30-900 (iii) 650-30-740-35-880-EB-40-960 (iv) 700-30-760-35-900	2000-60-2300-EB-75-3200	
VIII. ARMED FORCES HEADQUARTERS STENOGRAPHERS SERVICE			
1. Duty posts included in Grade 'B' of AFHQSS	650-30-740-35-880-EB-40-1040	2000-60-2300-EB-75-3200-	
2. Duty posts included in Grade 'A' of CSS	650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	100-3500	

THE SECOND SCHEDULE**Form of Option**

(See Rule 6(i))

* (i) I.....hereby elect the revised scale(s) with effect from 1st January, 1986.

* (ii) I.....hereby elect to continue on the existing scale of pay of my substantive/officiating post mentioned below until :

* the date of my next increment
the date of my subsequent increment raising my pay to Rs.
I vacate or cease to draw pay in the existing scale.

Existing scale.....

Signature.....
Name.....
Designation.....
Office in which employed.....

Date :
Station :

*To be scored out if not applicable.

**MEMORANDUM EXPLANATORY TO THE CIVILIANS IN DEFENCE SERVICES
(REVISED PAY) RULES, 1986.**

Rule 1 — This rule is self-explanatory.

Rule 2 — This rule lays down the categories of employees to whom the rules apply. Except for the categories excluded under clause (2), the rules are applicable to all persons under the rule making control of the President serving in Departments paid from Defence Services Estimates. The rules, however, apply to work charged establishments.

Rule 3 — This rule is self-explanatory.

Rule 4 — In respect of such employees as are presently in Group 'B' or Group 'C' and for whom the Pay Commission has recommended scales as applicable to any category of Group 'A' employee, this rule shall not apply till such time as the scales applicable to such employees are notified.

Rule 5 — The intention is that all Government servants should be brought over to the revised scales except those who elect to draw pay in the existing scales. Those who exercise the option to continue on the existing scales of pay will continue to draw the dearness pay, dearness allowance, ad-hoc dearness allowance and interim reliefs at the rates in force on the 1st January, 1986 and the dearness

pay will count towards house rent and compensatory allowances, emoluments for pensions, etc. to the extent it so counted on the said date. If a Government servant is holding a permanent post in a substantive capacity and officiating in a higher post or would have officiated in one or more posts but for his being on deputation etc., he has the option to retain the existing scale only in respect of one scale. Such a Government servant may retain the existing scale applicable to a permanent post or any one of the officiating posts. In respect of the remaining posts he will necessarily have to be brought over to the revised scales.

Explanation 3 to Rule 5 — As a Government servant will have the option to retain the existing scale in respect of only the substantive or any officiating post a Government servant who retains the existing scale in respect of his officiating post will be brought over to the revised scale in respect of his substantive post. In the revised scale of substantive post DP/ADA/ad-hoc DA stands merged in the revised pay, whereas in the officiating scale he will be allowed the existing rates of dearness pay and ADA/ad-hoc DA. If his pay were to be fixed in the existing scale of the higher officiating post with reference to the pay on the revised scale in the substantive post, it will give him the benefit of dearness allowance, dearness pay and interim relief twice over. The explanation is designed to avoid such unintended benefit.

Rule 6 — This rule prescribes the manner in which option has to be exercised and also the authority who should be apprised of such option. The option has to be exercised in the appropriate form appended to the rules. It should be noted that it is not sufficient for a Government servant to exercise the option within the specified time limit but also to ensure that it reaches the prescribed authority within the time limit. In the case of persons who are outside India at the time these rules are promulgated, the period within which the option has to be exercised is three months from the date they take over charge of the post in India. In the case of Government servants the revised scales of whose posts are announced subsequent to the date of issue of these rules, the period of three months will run from the date of such announcement.

Persons who have retired between 1st January, 1986 and the date of issue of these rules are also eligible to exercise option.

Rule 7(1)—This rule deals with the actual fixation of pay in the existing scales on 1st January, 1986. A few illustrations indicating the manner in which pay of Government servants should be fixed under this sub-rule subject to stepping up of pay under Notes below rule 7(1) are given below :—

Illustration No. 1

1. Existing scale of pay	— Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
2. Proposed scale of pay	— Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.
3. Existing basic pay	— Rs. 342.00
4. DP/ADA at index average 608	— Rs. 662.50
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 110.00
6. Existing emoluments	— Rs. 1114.50
7. Add 20 % of basic pay subject to minimum of Rs. 75/-	— Rs. 75.00
Total =	— Rs. 1189.50
Pay to be fixed in proposed scale	— Rs. 1200.00

Illustration No. 2

1. Existing scale of pay	— Rs. 550-20-650-25-750-plus special pay of Rs. 60/-
2. Proposed scale of pay	— Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 (without any special pay)
3. Existing basic pay plus special pay	— Rs. 700.00 + Rs. 60.00
4. DP/ADA at index average 608 on basic pay and special pay	— Rs. 1143.80
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 140.00
6. Existing emoluments	— Rs. 2043.80
7. Add 20 % of basic pay	— Rs. 140.00
Total =	— Rs. 3183.80
Pay to be fixed in proposed scale	— Rs. 2240/- (without any special pay)

Illustration No. 3

1. Existing scale of pay	— Rs. 210-4-250-EB-5-270 (with special pay of Rs. 10/-)
2. Proposed scale of pay	— Rs. 800-15-1010-EB-20-1150 with special pay of Rs. 20/-
3. Existing basic pay	— Rs. 230.00
4. DP/ADA at index average 608	— Rs. 463.50
5. Two instalments of interim relief	— Rs. 100.00
6. Existing emoluments	— Rs. 793.50
7. Add 20 % of basic pay subject to a minimum of Rs. 75/-	— Rs. 75.00
Total =	— Rs. 868.50
Pay to be fixed in proposed scale of pay	— Rs. 875.00 plus special pay of Rs. 20/-

Rule 7(2) — This follows the provisions of FR 31(2). It should be noted that the benefit of this rule is not admissible in cases where a Government servant has elected the revised scale in respect of his substantive post, but has retained the existing scale in respect of an officiating post.

Rule 8 — This rule prescribes the manner in which the next increment in the new scale should be regulated. The provisos to this rule are intended to eliminate the anomalies of junior Government servants drawing more pay than their senior by the operation of the substantive part of this rule and also taking care of the Government servants who have been drawing pay at the maximum of the existing scale for more than one year as on 1-1-1986 and also those Government servants who have been stagnating at the maximum of the existing scale and are actually in receipt of stagnation increment on ad hoc basis.

Rule 9 to 14 — These rules are self-explanatory.

Explanatory Memorandum :

The Civilians in Defence Services (Revised Pay) Rules, 1986 have been made to implement the recommendations made by the Fourth Pay Commission with respect to the pay scales of Group 'B', Group 'C' and Group 'D' employees of the Government. Even though the Commission has suggested the revision of pay scales from 1st April, 1986, the Government has decided to give effect to such recommendations from 1st January, 1986 in order to provide greater benefit to the Government servants in general. Accordingly, the rules are being given retrospective effect from 1st January, 1986. It is certified that the retrospective effect being given to these rules will not affect adversely any employee to whom these rules apply.

[No. A/26023/5/86/D(PC)]

V. N. BAHADUR, Jt. Secy.